केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा (कक्षा बारहवीं)
परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरे

Subject : HINDI CORE

विषय कोड Subject Code : 302

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : SATURDAY, 14-03-2015

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : HINDI

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएं
Write code No. as written on the top of the question paper

| Code Number | Set Number |
| --- | --- |
| 2/1 | ● ② ③ ④ |

अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका (ओं) की संख्या
No. of supplementary answer-book(s) used: NIL

विकलांग व्यक्ति
Person with Disabilities : हाँ / नहीं Yes / No — NO

यदि शारीरिक रूप से प्रभावित हो तो संबंधित वर्ग में ✓ का निशान लगाएँ।
If physically challenged, tick the category

B | D | H | S | C | A

B = दृष्टिहीन, D = मूक व बधिर, H = शारीरिक रूप से विकलांग, S = स्पास्टिक
C = डिस्लेक्सिक, A = ऑटिस्टिक
B = Visually Impaired, D = Hearing Impaired, H = Physically Challanged
S = Spastic, C = Dyslexic, A = Autistic

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : Yes / No — NO

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सॉफ्टवेयर का नाम
If Visually challenged, name of software used : NIL

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

**Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.**

कार्यालय उपयोग के लिए

0922934

302/01069

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE
www.studentbro.in

2

## खण्ड - क

1- (क) शीर्षक - विज्ञापन और हम

(ख) जब समाचार पत्रों में सर्वसाधारण के लिए कोई सूचना प्रकाशित की जाती है तो उसको विज्ञापन कहते हैं। यह मानव जीवन का अनिवार्य अंग है इससे हमें हमारी जरूरत की वस्तुओं की जानकारी मिलती है और यह किसी अच्छी वस्तु का परिचय कराता है।

(ग) यदि कोई व्यक्ति या कम्पनी किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहते हैं। विज्ञापन उत्पादक - उपभोक्ताओं को जोड़ने का कार्य करते हैं। विज्ञापन उत्पादक को उपभोक्ता के सम्पर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है।

(घ) विज्ञापन का उद्देश्य उपभोक्ता को किसी वस्तु के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

लिए आकर्षित करना होता है। विज्ञापन अपने उपभोक्ताओं को वस्तु की वास्तविकता से परिचित कराता है। जीवन में विज्ञापन बहुत उपयोगी है, इसके ज़रिए उपभोक्ता घर बैठे वस्तु से परिचित हो सकता है।

(ङ) पुराने समय में विज्ञापन का तरीका मौखिक था। वर्तमान तकनीकी युग ने इसे पूर्णतः परिवर्तित कर दिया है। ज़िन्दगी की गति बढ़ गई है। विज्ञापन टी.वी., रेडियो, समाचार-पत्र, एवं इंटरनेट जैसी तकनीकों के ज़रिए सर्वव्यापी हो गए हैं।

(च) विज्ञापन के आलोचकों का मानना है कि यदि कोई वस्तु यथार्थ में अच्छी है तो वह बिना किसी विज्ञापन के ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाएगी जबकि खराब वस्तुएँ विज्ञापन की सहायता पाकर भी भंडाफोड़ होने पर बहुत दिनों तक नहीं टिक पाएँगी।

(छ) आज की भाग दौड़ की ज़िन्दगी में विज्ञापन बहुत ही

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

कम समय में उपभोक्ता को परिचित करवा देता है जिससे उसका कीमती समय बच जाता है। उपभोक्ता वस्तु के बारे में परिचित होकर कम समय में ~~इस~~को खरीद सकता है।

(ज) अनिवार्य → उपसर्ग - अ मूल शब्द - निवार्य

वास्तविकता → प्रत्यय -इकता मूल शब्द - ~~वास्तविक~~ वास्तव

(झ) <u>मिश्र वाक्य</u> → जो वस्तुओं और सेवाओं को खरीदता है वही उपभोक्ता कहलाता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

2-

(क) आँधी तथा बादल कठिनाइयों, निराशा और चुनौतियों का प्रतीक हैं। इनसे व्यक्ति की जीवन में अँधेरा छा जाता है अर्थात् उसके जीवन की इच्छाएं समाप्त हो जाती हैं। वह निराशावादी बन जाता है।

(ख) कवि निर्माण का आह्वान करता है क्योंकि हमें कठिन परिस्थितियों से उठकर और चुनौतियों का सामना कर एक नवजीवन की शुरुआत करनी चाहिए जिसमें आशा, विश्वास और प्रेरणा हो।

(ग) कवि भयभीत है कि उसके जीवन में भी अँधेरा न छा जाए अर्थात् वह भी निराशावादी बनकर न रह जाए और उसके जीवन में कभी प्रकाश न आ पाए।

(घ) उषा की मुस्कान कवि को उठने की प्रेरणा देती है वह उसे आशा की किरण दिखाती है। इससे कवि को नव-जीवन बनाने की प्रेरणा मिलती है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ङ) 'रात आई और काली' का आशय है संकटों का बढ़ जाना और जीवन में आशा समाप्त हो जाना अर्थात् आशा की किरण समाप्त होना।

## 'खण्ड - ख'

3- # भारतीय संस्कृति

प्रस्तावना - भारत की संस्कृति संसार में अद्वितीय है। इसकी तुलना दुनिया की किसी भी संस्कृति नहीं की जा सकती। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आजतक भारत ने अपनी संस्कृति नहीं खोई है। भारत दुनिया का सबसे प्राचीन देश है। भारत

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

की संस्कृति प्रेम, अहिंसा, सद्भाव और मातृ-प्रेम सिखाती है। इसी अनुपम संस्कृति के कारण भारत को जगद्गुरु की उपाधि मिली।

जगद्गुरु भारत - अपनी इस असीम संस्कृति के कारण प्राचीन काल से भारत को जगद्गुरु कहा जाता है। इसी धरती पर महात्मा बुद्ध, महावीर जैन, गाँधी जैसे लोगों ने जन्म लिया है। इन्होंने दुनिया को शांति एवं अहिंसा का पाठ पढ़ाया। अपनी इस बेजोड़ संस्कृति को बरकरार रखते भारत आज भी शांतिप्रिय देश है जो हमेशा से युद्धों से दूर रहता है।

भारत के सांस्कृतिक मूल्य- (i) एकता → भारत में अनेक धर्म, भाषा, जाति के लोग रहते हैं लेकिन फिर भी यहाँ पर विविधता में एकता है। सभी धर्म-जाति के लोग प्रेम और सौहार्द से रहते हैं। भारत में हिंदु, मुस्लिम, सिख एवं ईसाई ऐसे रहते हैं जैसे वे एक घर के निवासी हों।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ii) अतिथि देवो भव :- प्राचीन काल से ही अतिथि को भगवान के रूप में देखा जाता रहा है। हमारे देश में अतिथियों को सम्मान एवं सत्कार दिया जाता है।

(iii) जननी जन्म भूमि - भारत के नागरिक अपनी जन्म भूमि को माँ मानते हैं। इसी का उल्लेख भारत माता के रूप में आजादी के समय हुआ था। सैनिक अपनी जान पर खेलकर इसकी रक्षा करते हैं।

उपर्युक्त मूल्यों के अलावा भारतीय संस्कृति जीवन मूल्यों एवं नैतिक मूल्यों में परिपूर्ण जिसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।

उपसंहार - आज हमें अपनी संस्कृति को बचाने का प्रयास करना चाहिए। युवा वर्ग को पश्चिमी संस्कृति छोड़कर अपनी संस्कृति से प्यार होना चाहिए तभी भारत जगद्गुरु की उपाधि वापस ले सकेगा।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

4- 657, सेक्टर-सी
पनकी, कानपुर

दिनांक - 14-03-2015

सेवा में,
पुलिस कमिश्नर
कानपुर पुलिस
कानपुर

विषय - अधिकारी की भ्रष्टाचार में संलिप्तता।

महोदय,
भ्रष्टाचार ने हमारे लोकतंत्र को एकदम जकड़ लिया है। लोग अपने मानव-मूल्य को भूलकर अपना ईमान बेच रहे हैं। ऐसी ही एक घटना का सुबूत मेरे पास है। कल मैं अपने दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर एवं मुहर लगवाने के लिए तहसील गया। मेरा नंबर आते ही मुझे

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ऑफिस में बुलाया गया। मैंने अपना मोबाइल कैमरा ऑन कर रखा था। वहाँ बैठे अधिकारी ने मुझसे रिश्वत माँगी। उन्होंने मुझसे 5000 रुपये हस्ताक्षर करने के लिए माँगे। चूँकि मेरा कैमरा ऑन था, मैंने क्लिप बनाने के लिए पैसे दे दिए। फिर मैंने बाहर जाकर खिड़की से एक दो आदमी को और रिश्वत देते हुए देखा और उसे कैमरे में जब्त कर लिया।

मेरा आपसे अनुरोध है कि कृपया ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कोई स्टिंग ऑपरेशन चलाइए। मैं आपकी हर संभव मदद करने को तैयार हूँ। भ्रष्टाचार नाम के इस दीमक ने पूरे देश को खा लिया है। कृपया जल्दी ही इस पर कार्यवाही करें।

धन्यवाद

भवदीय

निरंजन कुमार

5- [redacted]

(क) जो पत्रकार थोड़े-थोड़े समय के लिए अलग-अलग पत्रों के लिए काम करते हैं और उन्हें सूचनाएँ उपलब्ध कराते हैं, अंशकालिक पत्रकार कहलाते हैं।

(ख) पत्रकारिता का वह अंग जो समाज के महत्वपूर्ण एवं प्रभावी लोगों की जीवनशैली पर लिखती है पेज थ्री पत्रकारिता कहलाती है। जैसे- कैटरीना कैफ मलेशिया में छुट्टियाँ मना रही हैं।

(ग) जनसंचार का तात्पर्य समाज की जनता के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान से है। इससे जनता विभिन्न व्यक्तिगत, सामाजिक एवं राष्ट्रीय हित की सूचनाएँ जान पाती हैं।

(घ) ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना सन् 1936 में हुई। आजकल यह संस्था प्रसार भारती के अंतर्गत है जो कि एक स्वतंत्र निगम है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ङ) फीचर के दो लक्षण -

(i) यह किसी सामाजिक मुद्दे, जनसमस्या या समाजहित के विषयों पर चित्रात्मक वर्णन किया जाता है।

(ii) इसमें लोगों को आकर्षित करने के लिए व्यंग्य एवं आकर्षक भाषा का प्रयोग होता है।

6 आलेख -

# राष्ट्रीय एकता

किसी देश को सही से चलने एवं 'विकास एवं प्रगति' के पथ पर अग्रसर होने के लिए राष्ट्रीय एकता सुनिश्चित करना चाहिए। बिना राष्ट्रीय एकता के देश खंडों में विभाजित हो जाएगा। जाति, धर्म, लिंग, क्षेत्र एवं भाषा के आधार पर लोग एक दूसरे से भेदभाव करेंगे। देश में आए दिन सांप्रदायिक दंगे होंगे। राष्ट्रीय एकता देश के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

प्रत्येक नागरिक को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करती है। राष्ट्रीय एकता आ जाने से लोग एक दूसरे का साथ देंगे, उनकी दुख में मदद करेंगे। आजादी से पहले देश में एकता नहीं थी। देश 500 से अधिक रियासतों में बँटा हुआ था इसलिए 1857 का स्वतंत्रता संग्राम असफल रहा। लेकिन जब महात्मा गाँधी ने देश की जनता को एकजुट किया उनमें एकता की भावना उत्पन्न की तो सन् 1947 में सभी लोगों ने आजादी का स्वाद चखा। यही है एकता का महत्व। एकता में जो ताकत है वह अनेकता में नहीं। इसलिए राष्ट्रीय एकता बहुत जरूरी है। जिस प्रकार चार लकड़ी एक साथ तोड़ना कठिन है क्योंकि उनमें एकता है वैसे ही अगर राष्ट्र में एकता की भावना जागृत हो जाए तो उसे तोड़ पाना आसान नहीं है और उस पर कोई भी विजय नहीं पा सकता।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

# 'स्वच्छता - अभियान'

जैसे देश को 'सर्व शिक्षा अभियान' की जरूरत है वैसे ही 'स्वच्छता अभियान' की। शिक्षा ग्रहण करने के लिए स्वस्थ मस्तिष्क चाहिए। स्वस्थ शरीर स्वच्छ जगह पर ही बन सकता है इसलिए महात्मा गाँधी ने भी स्वच्छता पर बल दिया था। अगर व्यक्ति स्वच्छ जगह पर रहता है तो उससे बीमारी दूर भागती है। कुत्ता भी बैठने से पहले जगह को साफ कर लेता है तो हम अपने वातावरण को स्वच्छ नहीं रख सकते। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया है - 'स्वच्छ भारत अभियान', अगर यह कारगर हो जाए तो हमें हर गली, मोहल्ला स्वच्छ दिखाई देंगे। इस अभियान में बड़ी-बड़ी हस्तियाँ भी भाग ले रही हैं। देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए नागरिक का विकास

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

होना चाहिए। किसी व्यक्ति को स्वस्थ होने के लिए उसका स्वच्छ होना जरूरी है। बच्चों को विद्यालय में इसके बारे में पढ़ाना चाहिए और अधिक से अधिक ज्ञान देना चाहिए जिससे कि वे इसको अपने जीवन में उतार सकें। तभी महात्मा गाँधी का स्वच्छ एवं सुंदर भारत का स्वप्न पूरा हो पाएगा।

## 'खण्ड - ग'

(क) बात को धैर्य से समझने से कवि का आशय है कि उसने अपनी बात के मर्म को समझाने में धैर्य का सहारा न लिया और शब्दों के जाल में फँसकर अपनी बात को जटिल रूप दे दिया। उसने मुश्किल को आँके बिना बात को कठिन बनाने के चक्कर में उसका अर्थ ही खो दिया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) बात और भाषा एक दूसरे से परस्पर संबंधित हैं क्योंकि अपनी बात को समझाने के लिए भाषा का चुनाव बहुत जरूरी है। अगर भाषा कठिन है तो बात श्रोता तक पहुँच ही नहीं पाएगी अर्थात श्रोता को उसका अर्थ ही समझ में नहीं आएगा।

(ग) जब बात शब्दों के जाल में फँसकर टेढ़ी हो जाती है और भाषा सुंदर बनाने के चक्कर में बात अपना मूल अर्थ खो देती है तो बात पेचीदा हो जाती है और श्रोता की समझ से परे होती है।

(घ) 'भाषा के चक्कर में ज़रा टेढ़ी फँस गई' उपर्युक्त पंक्ति का आशय है कि भाषा को सुंदर एवं आकर्षित बनाने के चक्कर में बात का असली अर्थ ही दर्शक को समझ में नहीं आया और बात अपना मूल अर्थ खो बैठी जिससे कवि जो कहना चाहता था नहीं कह पाया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

17

1- (क) • तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है। ~~इसलिए~~ सं
• हिल-हिल, खिल-खिल में पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।
• 'हँसते हैं पौधे लघु भार' में पौधे को मानव के रूप में दिखाया गया है इसलिए यहाँ मानवीकरण अलंकार है।
• तुकांतयुक्त भाषा के प्रयोग से कविता में गतिशीलता आ गई है।
• हाथ, हिलाते, तुझे बुलाते में अनुप्रास अलंकार है

(ख) भाव-सौंदर्य- बादल रूपी क्रांति को आया देख पौधे यानी निम्न वर्ग के लोग खुश होते हैं क्योंकि अब उनके ऊपर जुल्म करने वालों की सजा मिलेगी। इस क्रांति के आने से छोटे ही लोगों को फायदा पहुँचेगा। अर्थात् केवल वे लोग जिनका शोषण हुआ है वे ही इस क्रांति से खुश हैं और उन्हीं को इससे खुशी मिलेगी। अट्टालिका में रहने वाले लोग इस हलचल से काँप उठे हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) • भाषा की दो विशेषताएँ

• संस्कृतनिष्ठ भाषा का प्रयोग हुआ है।

• भाषा तुकांतयुक्त है जिससे कविता में गतिशीलता आ गई है। तत्सम शब्दों का प्रयोग हुआ है।

10

(क) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' सामाजिक संवेदनशून्यता का जीता-जागता उदाहरण है, क्योंकि इस कविता में दुरदर्शन के लोग जो कि शक्तिशाली हैं अपने कार्यक्रम को बढ़ाने के लिए अपाहिज व्यक्ति से उल्टे-सीधे सवाल पूछते हैं। जैसे- 'आप अपाहिज क्यों हैं?' 'आपको अपाहिज होने पर दर्द होता है।' आदि। ये सभी प्रश्न अपाहिज व्यक्ति की भावना को ठेस पहुँचाते हैं और उसको बेगानापन महसूस होने लगता है। इसके जरिए हमें पता चलता है कि लोगों के अंदर अपाहिजों के लिए कोई सहानुभूति नहीं है वे केवल उसकी भावनाओं के साथ खेलकर अपने कार्यक्रम को सफल बनाना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

चाहते हैं। इस तरह हमारे समाज की संवेदनशून्यता सिद्ध होती है।

(ग) कवि के अनुसार जैसे खेत में बीज बोकर किसान अपनी फसल तैयार करता है इसके लिए उसे रसायन, खाद आदि डालने पड़ते हैं वैसे ही कवि भी एक किसान की तरह है। और कवि का खेत कागज है जिस पर वह अपनी भावनाओं को उकेर कर कविता का निर्माण करता है। कागज का आकार भी चौकोर खेत की तरह ही है। कवि को कविता की रचना करने में चिंतन, एवं मेहनत करनी पड़ती है जैसे एक किसान फसल तैयार करने में करता है। इसलिए कवि ने खेत की तुलना कागज से की है।

11 (क) लेखिका ने भक्तिन की बुद्धि को विस्मित करने वाली कहा है क्योंकि वह लेखिका के सभी परिचित एवं बंधुओं को उतना ही सम्मान देती है जितनी लेखिका। भक्तिन

किसी भी व्यक्ति को सद्भाव भी इसी आधार पर देती है अर्थात् भक्तिन अपने मन से किसी को भी अधिक या कम सम्मान नहीं देती। वह केवल लेखिका के अनुसार चलती है।

(ख) कवियों के सम्बन्ध में भक्तिन सोचती है कि वह सारी कवयित्री एवं कवि, महादेवी के तरह ही वेश-भूषा धारण करते होंगे। इसलिए किसी अस्त-व्यस्त वेश भूषा वाले कवि को देखकर वह कहती है - क्या ये भी कविता लिखना जानते हैं या ऐसे ही गली-गली में गाते फिरते हैं।

(ग) अवज्ञा का तात्पर्य आज्ञा का पालन न करने से। भक्तिन अस्त-व्यस्त कवियों वेशभूषा वाले कवियों के लिए लेखिका के सामने अवज्ञा प्रकट करती है कि वे केवल गली-गली में अपनी कविता गाते फिरेंगे और कुछ नहीं।

(घ) प्रस्तुत पंक्ति का आशय है कि भक्तिन महादेवी के

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

परिचितों को आदर एवं सद्भाव इस आधार पर देती थी कि लेखिका कैसे उनको सद्भाव देती है वह अपने मन से कुछ नहीं सोचती थी। उसका सारा व्यवहार लेखिका के द्वारा किए गए व्यवहार की तरह था।

12

(ख) भक्तिन नाम लेखिका ने दिया है। जैसे एक भक्त अपने स्वामी की सेवा पूरे तन एवं मन से करता है और उसे कोई परेशानी नहीं होने देता वैसे ही भक्तिन लेखिका की सेवा दिन-रात करती रहती है। उसे अपने सुख एवं दुख की कोई चिन्ता नहीं है। वह केवल लेखिका महादेवी वर्मा के सुख एवं दुख में अपना सुख-दुख मानती है। वह अपना सेवाधर्म एक भक्त की तरह निभाती है इसलिए उसको नाम भक्तिन रखा गया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ग) सफ़िया के लिए नमक महत्वपूर्ण था क्योंकि वह उसकी पड़ोस में रहने वाली एक औरत ने मँगाया था जिसका चेहरा उसकी माँ से मिलता था। यह परिवार विभाजन के समय भारत आ गया था। लेकिन सिक्ख बीवी की यादें अब भी पाकिस्तान से जुड़ी हुई हैं और वे लाहौरी नमक को मँगाना चाहती हैं। नमक लाने में लेखिका का साथ पुलिस ऑफिसर, कस्टम अधिकारी सभी ने दिया जो स्वयं दूसरे देशों से विभाजन की समय अलग हो गए थे। [redacted]

(घ) शिरीष का फूल कठिन परिस्थितियों में भी खिला रहता है। वह लू के थपेड़ों के समय भी अडिग बना रहता है जैसे प्राचीन काल में योगी तथा संन्यासी साधना में लगे रहते थे उन्हें किसी मौसम की चिंता नहीं थी वैसे ही शिरीष कठिन परिस्थितियों में फल फूल रहा है। उसके फूलों की चमक एवं सुगंध अब भी वैसी है इसलिए शिरीष के फूल को अवधूत कहा है। [redacted]

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ङ.) चार्ली चैप्लिन ने भारत में एक नई कला को स्थान में दिया। भारतीय शोक में हँसते नहीं हैं लेकिन चार्ली ने अपने दुखों एवं समस्याओं पर हँसकर भारतीयों को यह सीख दी। जिससे प्रेरणा लेकर राज कपूर ने 'श्री 420' एवं 'आवारा' जैसी फिल्में बनाई जिनके पीछे चार्ली चैप्लिन ही प्रेरणा थे। चार्ली चैप्लिन ने भारतीयों को अपने दुख पर हँसना सिखाया जो कि विरोधाभास है क्योंकि जहाँ दुख है वहाँ हास्य रस का कुछ काम नहीं है। चार्ली चैप्लिन ने इसी विरोधाभास का खंडन किया।

13 यशोधर बाबू के जीवन मूल्य पुराने और सांस्कृतिक हैं उनके अनुसार नए उपकरणों का प्रयोग 'समहाऊ इंप्रापर' है। वे समाज में आ रहे परिवर्तनों के साथ नहीं चलना चाहते। वे अपनी दकियानूसी विचारधारा में जीना चाहते हैं। उनके अनुसार व्यक्ति को अपने

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

नैतिक मूल्य एवं जीवन मूल्यों को समय के साथ कुर्बान नहीं करना चाहिए बल्कि इनको सहेज कर रखना चाहिए। नई पीढ़ी नई विचारधारा वाली है वह तेज़ ज़िन्दगी जीने में विश्वास रखती है और यशोधर बाबू के दकियानूसी विचारधारा का एकदम खंडन करती है। नई पीढ़ी नई तकनीक एवं नई वेश-भूषा अपनाना चाहती है। वे पश्चिमी संस्कृति के पीछे भाग रहे हैं। जबकि यशोधर बाबू भारतीय परंपराओं में विश्वास रखते हैं और वेश-भूषा भी भारतीय अच्छी मानते हैं। इनके बच्चे एवं बीवी नई पोशाक पहनती हैं जो इन्हें 'समहाउ इंप्रापर' लगता है। इनके इन्हीं दकियानूसी विचारों के कारण नई पीढ़ी इन्हें प्रासंगिक नहीं मानती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

14 (क) 'अतीत में दबे पाँवों' के अनुसार टूटे हुए खंडहर आज भी वातावरण को सजीव किए हुए हैं। वे बताते हैं कि सूर्य वही है, आकाश वही है और हवा भी वही है फर्क सिर्फ इतना है कि ये पीढ़ियाँ बदल गई हैं, लोग बदल गए हैं। ये टूटे-फूटे खंडहर सारी ऐतिहासिक घटनाओं को सहेजे हुए हैं और भारत की प्राचीन संस्कृति के दावे का पुख्ता सबूत हैं। आज भी इन सीढ़ियों पर जाकर जो कहीं छत पर नहीं पहुँचती छत को महसूस किया जा सकता है। घर के आँगन में जाकर बच्चों के खेलने की आवाज सुनी जा सकती है। रसोईघर के पास जाकर खाने की सुगंध ली जा सकती है। इसके अनुसार आज भी हम अपनी प्राचीन संस्कृति का अनुभव ले सकते हैं। मोहनजोदड़ों जाकर हर एक घर पर नजर डालकर हम अपने पूर्वजों को याद कर सकते हैं। टूटे-फूटे खंडहर सभ्यता और संस्कृति के प्रमाण हैं जो कभी 5000 साल पहले यहाँ बसा करती थी।

5

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) 'जूझ' कहानी के लेखक के जीवन-संघर्ष के बिंदु जो हमारे लिए प्रेरणादायक हैं—

(i) संघर्षशीलता - लेखक संघर्ष करता है पढ़ने के लिए। वह अपने पिता से भी लड़ बैठता है। उसमें पढ़ने की एक ललक है इच्छा है जो उसे हमेशा संघर्ष के पथ पर ले जाती रहती है। वह अपने इसी संघर्ष के कारण सफल हो पाता है।

(ii) कविता-लेखन में रुचि - लेखक कविता लेखन में माहिर बनना चाहता है उसके लिए उसे दिन-रात मेहनत करनी पड़ती है। वह गाय-भैंस चराते समय भी कविता गुनगनाता रहता है।

(iii) मेहनती तथा लगनशीलता - उसका पढ़ने के प्रति लगाव है। वह पाठशाला के पश्चात् खेत पर काम करने जाता है। वह पाठशाला एवं खेत में सामंजस्य बनाए रखता है। उसके खेत में काम करने से पढ़ाई में कोई परेशानी नहीं आती।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

इन सब कि बातों से हम लेखक से प्रेरणा ले सकते हैं।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in